इलैक्ट्रॉनिकी उपभोक्ता उत्पादों को लाइसेंस मुक्त करना

1739. **श्री पराग चालिहा:**
श्री शिवचरण सिंह:

क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) इलेक्ट्रॉनिकी उपभोक्ता उत्पादों को लाइसेंस मुक्त करने के पीछे सरकार का क्या उद्देश्य है;

(ख) क्या अन्य वर्गों के उत्पादों को भी इस व्यवस्था के अंतर्गत लाया जायेगा;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है?

उद्योग मंत्री (श्री मुरासोलि मारन): (क) सरकार ने औद्योगिक क्षेत्रों में निवेश तथा प्रौद्योगिकी संबंधी निर्णय लेने में उद्यमियों को और अधिक स्वतंत्रता प्रदान करने की दृष्टि से मनोरंजन संबंधी इलैक्ट्रॉनिक उद्योग को लाइसेंसमुक्त कर दिया है जो अपेक्षाकृत अधिक औद्योगिक विकास व रोजगार में योगदान देगा।

(ख) से (घ) इस समय, अनिवार्य लाइसेंसीकरण के अधीन 14 उद्योगों की एक छोटी सूची है। अनिवार्य लाइसेंसीकरण के अधीन सूची की समीक्षा करना एक सतत् प्रक्रिया है।

औद्योगिक रुग्णता के कारण

1740. **श्री अजीत जोगी:** क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या औद्योगिक रुग्णता अर्थव्यवस्था में आधारभूत ढांचागत परिवर्तन का परिणाम है और यह मुख्यतः लोगों द्वारा पैदा किए गए कारणों से है;

(ख) यदि हां, तो क्या इस संबंध में कोई अध्ययन किया गया है;

(ग) यदि हां, तो इसके क्या परिणाम निकले हैं; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उद्योग मंत्री (श्री मुरासोलि मारन): (क) जी, नहीं।

(ख) से (घ) तथापि, भारतीय सांख्यकीय संस्थान द्वारा किये गये एक अध्ययन के अनुसार, खराब वित्तीय संरचना तथा/या उत्पादन के घटकों का पुराने समय से ही अकुशल उपयोग तथा/या घटिया विपणन स्थिति आदि से ही औद्योगिक रुग्णता उत्पन्न होती है। उनके अनुसार बी आई एफ आर के पास पंजीकृत रुग्ण फर्मों तथा स्वस्थ्य कम्पनियों के मध्य ब्याज लागत तथा मजदूरी लागत में प्रमुख अन्तर होता है। गैर बी आई एफ आर फर्मों की अनुप्रीतिक तुलना में बी आई एफ आर कम्पनियों की कुल देनदारी इक्यूटी तथा ऋण इक्यूटी सदैव उच्चतर थी। अध्ययन के अनुसार एक ऐसा सूचना आधार सृजित करने की आवश्यकता पर सुझाव दिया गया है जो व्यक्तिगत क्षमताओं और उनके सहयोग दोनों में बड़े ऋण दाताओं की ऋण योग्यता को अभिव्यक्त कर सके। इसके संदर्भ में सूचना ब्यूरो का जो भी मामले हों को निपटाने के लिए सामयिक आर्बीट्रिटर और फास्टट्रेक फेसीलेटर बनाने के लिए तथा इसके संदर्भित मामलों को निपटाने के लिए प्रांसगिक मध्यस्थ और फास्टट्रेक सहयोगकर्ता बनाने हेतु दोषी उधार फर्मों और बी आई एफ आर को सुरक्षित ऋणदाताओं से निगमित संगठन तथा औद्योगिक उत्तरदायित्वों का अंतरण करना है। अध्ययन ने कम्पनियों को वित्तीय पुनर्संरचना का सुझाव दिया है जैसे भूमि बिक्री द्वारा निगमित पुनर्संगठन और इक्यूटी के रूप में कर्ज में बदलना।

वनिता आश्रमों और स्त्री विकास गृहों को वित्तीय सहायता

1741. **श्री चीमनभाई हसीभाई शुक्ला:** क्या कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) 1 अप्रैल, 1996 से 31 अक्तूबर, 1996 तक की अवधि के दौरान राज्यवार कितने वनिता आश्रमों और स्त्री विकास गृहों (महिला उत्थान केन्द्र) को कितनी वित्तीय सहायता दी गई;

(ख) क्या इनमें से कुछ संगठनों द्वारा इस धनराशि का दुरुपयोग किए जाने के संबंध में कोई शिकायत मिली है;

(ग) उक्त अवधि के दौरान गुजरात में किन-किन शहरों में नये वनिता आश्रम और स्त्री विकास गृह खोलने के लिए वित्तीय सहायता दी गई है;